कांग्रेस अध्यक्ष का भाषण
जनसभा
कोरापुट–उड़ीसा
2 अप्रैल, 2009

बुजुर्गो, बहनो और भाइयो,

अभी केंद्रपाड़ा इलाक़े में जो तूफ़ान आया, उसकी ख़बर से मुझे बहुत दुःख हुआ। इसकी वजह से जिन लोगों ने अपने परिवारजन खोए हैं, जिनका काफ़ी नुक़सान हुआ है, उन सबके प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। हम सबकी ज़िम्मेदारी है, कि इस संकट के समय हम सभी प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता करें।

यह हम सबके लिए गर्व की बात है, कि प्राचीन इतिहास और आधुनिक भारत दोनों में, इस महान् प्रदेश उड़ीसा की एक ख़ास जगह है। यह महान् संस्कृति की भूमि है, शांति और प्रेम की भूमि है। यह शिक्षा और कला की भी भूमि थी। स्वाधीनता आंदोलन, भारत के संविधान के निर्माण और देश के विकास में उड़ीसा का बहुत बड़ा योगदान है।

आप सब जानते हैं, कि कांग्रेस की सरकारों ने उड़ीसा के विकास में ऐतिहासिक भूमिका निभायी है। आज़ादी के बाद नया राज्य बनने के वक़्त से ही हमारे नेताओं ने उड़ीसा के विकास के लिए संघर्ष किया। जब–जब यहां कांग्रेस की सरकारें थीं, प्रगति और विकास के काम हुए, लेकिन जब भी दूसरों की सरकारें बनीं, लोगों की समस्याएं बढ़ी हैं। इसका ताज़ा सबूत पिछले दस साल का BJD और BJP का शासन है। बेरोज़गारी और ग़रीबी की क्या दशा है? उड़ीसा के प्रगति और विकास के लिए जो कुछ भी ज़रूरत है, सब कुछ इस प्रदेश में है। प्राकृतिक दौलत है, मेहनती लोग हैं। अगर कुछ कमी है, तो वह राज करने वालों की नीयत में है, उनकी भावना में है।

पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस और डॉ0 मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में, केंद्र की हमारी सरकार ने प्रगति और विकास के लिए उड़ीसा को पूरी सहायता दी है। अब तक यहां उसका साफ़ असर दिखना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं है। केंद्र सरकार ने जिस राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार योजना के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये उड़ीसा को दिए, उसका भी असर नहीं दिखायी देता। यह योजना किसके लिए थी? यह हमारे ग़रीब और बेरोज़गार बहनों और भाइयों के लिए है, नौजवानों के लिए है। इसकी वजह से साल में कम से कम सौ दिन के रोज़गार की गारंटी है। दुःख की बात है, कि यहां की सरकार ने उसका आधा पैसा भी नहीं ख़र्च किया। यहां बेरोज़गारी बढ़ी है। इसे ख़र्च क्यों नहीं किया, जबकि इस योजना की यहां ज़रूरत थी।

जब केंद्र में हमारी UPA सरकार ने पांच साल पहले ज़िम्मेदारी संभाली थी, तो वहां भी स्थिति काफ़ी बिगड़ी थी। प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में हम फिर मेहनत करके किसी तरह देश को विकास के रास्ते पर वापस लाए। आर्थिक विकास की दर में ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी हुई। जिस समय दुनिया भर की अर्थ–व्यवस्था बिगड़ रही है, हमारी नीतियों से हमारा देश एक मज़बूत आधार पर खड़ा है। हमने विकास की योजनाओं में कोई कमी नहीं आने दी। नयी–नयी योजनाएं लागू हुईं, भारत–निर्माण के कार्यक्रम शुरू हुए, शिक्षा और स्वास्थ्य मिशन के साथ सड़क, बिजली, पानी के क्षेत्रों में ज़बर्दस्त ढंग से देश आगे बढ़ा। स्कूलों में पंद्रह करोड़ छोटे बच्चों को दोपहर के भोजन का लाभ मिल रहा है, ये सभी कार्यक्रम हमने लागू किए हैं। इस तरह का इतना बड़ा कार्यक्रम दुनिया में कहीं नहीं है। हमें मालूम है, कि आपके इलाक़े में कुछ ख़ास समस्याएं हैं। बहुत सारे बच्चे उनके परिवार की ग़रीबी की वजह से भूखे रह जाते हैं, स्वस्थ नहीं रह पाते।

इस दु:खद स्थिति से निपटने के लिए हमने उड़ीसा सरकार को खूब पैसे दिए हैं। नयी आंगनवाड़ियां खोली हैं और उसमें जो हमारी प्यारी बहनें काम करती हैं, उनका पैसा बढ़ाया है।

हम अपने आदिवासी भाई–बहनों की ज़िंदगी की ज़रूरतों को समझते हैं। आप खुद जानते हैं, कि इंदिरा जी और राजीव जी ने यहां के विकास के लिए कितनी योजनाएं शुरू की थीं। हमारी सरकार ने सारे देश में आदिवासी भाइयों की ज़िंदगी में खुशहाली लाने के लिए ज़मीन और छोटी उपज पर उनको कानूनी अधिकार दिया है। आदिवासी लड़कियों के लिए Scholarship शुरू हुई है। हमारे प्रयास से आपके कोरापुट में नया केंद्रीय विश्व–विद्यालय खुल रहा है। रेलवे की छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदला जा रहा है। हमने अपने इस चुनाव के घोषणा–पत्र में तमाम योजनाओं का ऐलान किया है और उसके साथ–साथ ग़रीब परिवारों के लिए सस्ता चावल और गेहूं दिलाने का वादा किया है। जिस तरह सारे देश में किसान भाइयों के कर्ज़ माफ़ किए हैं, उसी तरह आने वाले समय में भी उनके हितों की रक्षा का वादा किया है। हम अन्य पार्टियों के विपरीत जो वादे करते हैं, उस पर अमल करते हैं।

आपके यहां के कुछ इलाक़ों में नौजवानों को गुमराह किया गया है। मैं यह मानती हूं, कि विकास और रोज़गार की योजनाओं और कार्यक्रमों से उनको सही रास्ते पर लाया जा सकता है। हम इसी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

लेकिन एक बात बिल्कुल साफ़ है। हिंसा किसी भी समस्या का हल नहीं है। नफ़रत और हिंसा से किसी का भला नहीं होता। उड़ीसा जैसे शांति–प्रिय राज्य में जब मैं किसी भी तरह की हिंसा की ख़बर पढ़ती हूं, तो बहुत दु:ख होता है। यह समाज के हित में नहीं, यह समाज विरोधी काम है। हम सबको शांति और सद्भावना के साथ अपना प्रदेश और देश बनाना है।

बहनो और भाइयो,

लोक–सभा और विधान–सभा के मौजूदा चुनाव उड़ीसा के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हमें दोनों जगह ऐसी सरकारें बनानी हैं, जो आपसी सहयोग के साथ मिल–जुलकर जनता की भलाई के काम करें। इसका एक ही रास्ता है, कि आप कांग्रेस पार्टी पर विश्वास रखें और चुनाव के दिन हाथ के निशान को अपना वोट देकर कांग्रेस पार्टी के सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताएं। यह जीत आपकी जीत होगी, प्रगति और विकास की जीत होगी, उड़ीसा की जीत होगी।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबको इस सभा में आने के लिए धन्यवाद देती हूं।

जय–हिंद।